29. लघुकथा-लेखन

कथा कहना, सुनना या लिखने की एक प्राचीन परंपरा रही है। बच्चों को लघुकथाएँ सुनना बहुत अच्छा लगता है। अतः हम सभी ने बचपन में अपने बड़ों से कथाएँ सुनी हैं। जीवन में घटित होने वाली या काल्पनिक घटनाओं का रोचक वर्णन करना ही लघुकथा कहलाता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को लघुकथा के बारे में विस्तार से समझाएँ।
- ❖ लघुकथा-लेखन में ध्यान रखने योग्य बातों के बारे में बताएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए गए लघुकथा-लेखन के उद्देश्यों से अवगत कराएँ।
- ❖ लघुकथा के प्रकारों पर कक्षा में चर्चा करें।
- ❖ पाठ पृष्ठ 242-246 पर दिए गए लघुकथा के उदाहरणों को पढ़वाएँ तथा उनसे मिलने वाली सीख के बारे में भी पूछें।
- ❖ सुनिश्चित करें कि छात्र भली-भाँति लघुकथा के बारे में समझ रहे हैं।
- ❖ छात्रों को अपनी कल्पनाशक्ति से लघुकथा लिखने के लिए प्रेरित करें।
- ❖ विभिन्न विषयों से संबंधित चित्र दिखाकर लघुकथा लिखवाएँ।
- ❖ पाठ अभ्यास करवाएँ एवं उचित सहायता करें।